Title: Need to include Bhojpuri in Eight Schedule to the Constitution.

श्री महाबल मिश्रा (पश्चिम दिल्ली): माननीय अध्यक्षा महोदय, आज जिस महत्वपूर्ण विषय पर मैं बोलने जा रहा हूं, मैं समझता हूं कि इससे आप और आपके पिताश्री स्व. भारत रत्न श्री जगजीवन बाबू भी संबंध रखते हैं और डा. मंगल पांडे, राजेन्द्र बाबू और अन्य बहुत से महापुरुष संबंध रखते हैं। भोजपुरी को आठवीं सूची में सम्मिलित करने के विषय पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। मैं कहना चाहता हूं कि भारत के संविधान में हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा का दर्जा दिया गया। लेकिन क्षेत्रीय भाषा को भी...(व्यवधान)

श्री बृजभूषण शरण सिंह (कैसरगंज): भोजपुरी में बोलिये। ...(व्यवधान)

श्री महाबल मिश्रा : परंतु सबको समझ में आना चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : आप शान्त रहिये।

श्री महाबल मिश्रा : भारतीय संविधान में हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा मिला, लेकिन अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी अष्टम सूची में सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया था और इस विषय में वर्ष 2007 में श्री श्रीप्रकाश जायसवाल जी ने यहां आश्वासन दिया था कि भोजपुरी भाषा को अष्टम सूची में सम्मिलित किया जायेगा और इसके लिए एक हाई पावर कमेटी भी बनी थी। उस कमेटी ने अपना निर्णय सरकार को दे दिया है। आज देश में लगभग 18 करोड़ जनता भोजपुरी भाषा बोलती है। यह भाषा केवल भारत में ही नहीं बल्कि सूरीनाम, फिजी और मारीशस में भी बोली जाती है और भोजपुरी के प्रति आज सारे लोग समग्रता के रूप में देखते हैं।...(व्यवधान) भोजपुरी एक व्यापक और समृद्ध भाषा है। देश के कई विश्वविद्यालयों में यह स्नातक स्तर पर पाठय़क्रमों में शामिल है। यह भाषा संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने के सभी मापदंडों पर खरी उतरती है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इस पर हम भी आपका समर्थन करते हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग अपने नामों की स्लिप टेबल पर भेज दीजिए।

श्री महाबल मिश्रा : मैं यह कहने के लिए खड़ा हुआ हूं कि देश की 18 करोड़ जनता भोजपुरी बोलती है। परंतु नेपाली और सिंधी भाषा बोलने वालों की यहां संख्या नहीं है। लेकिन नेपाली और सिंधी जैसी भाषाओं को अष्टम सूची में शामिल किया गया है। लेकिन भोजपुरी जिसे 18 करोड़ जनता बोलती है, उसे अष्टम सूची में शामिल करने के विषय को सरकार ने नजरअंदाज किया है। मैं आपसे मांग करता हूं, क्योंकि आप भी उसी से संबंध रखती हैं, आप इस विषय में एक डायरेक्शन दे दें। जब केन्द्रीय मंत्री, श्री शिवराज पाटील यहां थे तो उन्होंने सदन को आश्वासन दिया था और उसी वर्ष भोजपुरी भाषा को अष्टम सूची में शामिल करने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट दे दी है। लेकिन अभी तक यह काम क्यों नहीं हुआ, यह बड़े आश्चर्य की बात है।

मैं आपसे मांग करता हूं कि जिस भाषा को बाबू जगजीवन राम बोलते थे और आपने भी उस दिन बोला था कि इस भाषा में 'मैं' नहीं 'हम' है। ये आपके शब्द हैं। कुर्सी पर आसीन महोदया के शब्द हैं, जिन्होंने कहा था कि भोजपुरी भाषा एक ऐसी भाषा है, जिसमें 'मैं' शब्द नहीं है, इसमें 'हम' शब्द है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि भोजपुरी भाषा को अष्टम सूची में सम्मिलित करने के लिए आज आप सरकार को निर्देश दें। जिस भाषा को भारत की 18 करोड़ जनता बोलती है, उस भोजपुरी भाषा को अष्टम सूची में अविलम्ब शामिल किया जाए। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

अध्यक्ष महोदया : प्रो. राम शंकर,

श्री सतपाल महाराज,

श्री रामकिशुन,

डा.रघुवंश प्रसाद सिंह,

श्री शेलेन्द्र कुमार तथा

श्री जे.पी.अग्रवाल इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।